पंजाब केसरी 28/09/2025

राजस्थान का पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं और कार्यक्रम का लुत्फ उठाते प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त व अन्य। (चंद्रमोहन)

लोक कलाओं और परंपराओं में निहित हैं भारतीय संस्कृति की जड़ें : डॉ. रोहित दत्त

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में राजस्थान के पारंपरिक लोकनृत्य 'कालबेलिया' ने मोहा सबका मन

अम्बाला, 27 सितम्बर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में शनिवार को संगीत (वोकल) एवं संगीत (इंस्ट्रूमैंटल) विभागों द्वारा स्पिक मैके के सहयोग से राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति को समर्पित एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राजस्थान के पारंपरिक लोकनृत्य 'कालबेलिया' की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुआ।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें लोक कलाओं और परंपराओं में निहित हैं। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल सांस्कृतिक विविधताओं से जोड़ते हैं, बल्कि उनमें अपनी विरासत के प्रति गर्व और सम्मान का भाव भी जगाते हैं। राजस्थान का लोकनृत्य भारत की रंगीन और जीवंत संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कॉलेज में ऐसे आयोजन छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं और उन्हें अपनी पहचान पर गर्व करना सिखाते हैं। गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज भी इस प्रकार के भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देता रहा है और हमेशा देता रहेगा।

स्पिक मैके के कार्यक्रम आयोजक सुमित तनेजा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के मंच संचालन का दायित्व डॉ. अमित एवं डॉ. मंजीत कौर ने प्रभावशाली शैली में निभाया। संगीत (इंस्ट्रूमैंटल) विभाग के इंचार्ज डॉ. चंद्रपाल पूनिया के साथ कॉलेज के टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ ने भी कार्यक्रम का आनंद लिया। संगीत (वोकल) की प्राध्यापिका एवं कार्यक्रम की संयोजिका डा. मंजीत कौर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।